

विश्व शिक्षा
का संस्थान
दिल्ली-110002

मुख्य निदेशिका-विकास,
देहरादून।

संख्या-अभिलेख-5

देहरादून दिनांक : 29 दिसम्बर 2004

अनुरोध

विषय: राष्ट्रीय एलपीथिक विद्यालय वसुध जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य के पूर्ण करने हेतु अवशेष धनराशि अनुवृत्त करने विषयक।

प्रति,
आनुरोध विषयक आपके पत्र सं०-74/1/एच0ए0डी0/28/2004/25405 दिनांक 17.11.2004 को प्राप्त में तथा शासनादेश सं०-1079/वि०-3-2004-201/2004 दिनांक 01.03.2004 के अंतर्गत में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय द्वितीय वर्ष 2005-2006 में वसुध जनपद एलपीथिक विद्यालय वसुध जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु अनुमानितपुसार रु० 15,73,000.00 (रु० पन्ध्र लाख पित्तत्तर हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की अनुवृत्ति प्रदान करते हैं।

विशेष धनराशि के व्यय शासन स्तर से तत्कालीन स्वीकृति प्राप्त कर लिया जायेगा। धनराशि को अनुमानित लागत तक ही रखा जाएगा। स्वीकृति संबंधी मूल शासनादेश की सभी शर्तें मान्य रहेंगी।

विशेष धनराशि को शासन से तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई परियोजना के अंतर्गत शासनादेश के अंतर्गत निर्माण निगम उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराई जायेगी। कार्य प्रारंभ होने से पूर्व शासन स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये। स्वीकृत धनराशि का उपयोग निर्माण कार्य में ही द्वितीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा नहीं की जायेगी।

विशेष धनराशि को आहरण से संबंधित बाउचर संख्या 2 दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी।

विशेष धनराशि को आहरण से संबंधित इस्तमुतिद्वारा से उल्लिखित प्रावधानों एवं बजट अनुमति में शासन द्वारा निताव्यक्त के संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया गया सुनिश्चित किया जायेगा।

विशेष धनराशि को योजनाओं में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति की जा रही है।

विशेष धनराशि को द्वितीय एवं वार्षिक प्रगति आख्या प्रत्येक वर्ष में प्रत्येक माह की 07 तक शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

विशेष धनराशि को 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 लेखाशीर्षक 210-विद्यालय वसुध जनपद पर सुनिश्चित परिवर्ध-02 वार्षिक स्वायत्त संदाय-110- अस्पताल तथा आशुघालय, देहरादून को-विशेष योजना, 02-राष्ट्रीय एलपीथिक विद्यालयों के भवनों का निर्माण पूर्ण करने हेतु शासन द्वारा निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जायेगा।

A

नवदीप

(ॐ नमो भगवते वासुदेवाय)

ਦੁਪ ਮਹਿੰਦਰ

१०८/२२/११-४-२००३-२०१/२००४ तद्विनिर्दिष्ट

नैमित्तिक भोजन को सुखार्थ एवं आरोग्यक कार्यकारी हेतु प्रेषित :-

১০০- মালভাড়াপাড়া, উত্তরাঞ্চল, নাজার বৈষ্ণবদুর্গ।

Journal of Management Education 30(6)

$$1.10 \times 10^{-3} \text{ mol dm}^{-3} \times 100 \text{ cm}^3 \times 1000 \text{ g mol}^{-1} = 0.11 \text{ g}$$

— ଜିଆଁ ମାଲବାରୀ/ପ୍ରାକୃତ ମହତ୍ତ୍ୱର ପରୋପକରଣ

— *संविधान, अनुच्छेद 1*

• अभिप्रेषण विधिकरण ४८, ४९, ५० व ५१ परियोजना कराना, उत्तरांचल

© ২০১৩ সালের প্রথম অর্ধ, উদ্ভাটনো বৈজ্ঞানিক বিবরণ কুমিল্লা বিশ্ববিদ্যালয়

१००६. १४७, कोदीच मिथोजग व लशोबन मिथेशालय लचिवालम देहरादून

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

* ३ - विषय संख्या-३ / नियोजन विभाग / एन.आई.सी.

ଆହୁରି

(अन्तर विद्)

सब सचिद

क्र. १००-११३/२०११-१२-२०१३-२०१४ दिनांक ०२.१.२०१३ का सेशन का

(धनराशि लाख १०० में)

क्र.सं.	प्राप्तकर्ता का नाम	निर्माण प्रकार	लागत	समाप्त अवधि का दिनांक	वर्ष २०१३-१४ में अनुमानित धनराशि
१	राजस्थान राज्यीय शिक्षा विभाग द्वारा वित्तित	विश्वविद्यालय विकास एवं निर्माण निगम द्वारा वित्तित	२५.७५	१०.००	१५.७५
		योग	२५.७५	१०.००	१५.७५

(१०० करोड़ लाख पियसित इकाय मात्र)

(अतः सिंह)
उप सचिव

(धनराशि लाख ४० में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	निर्माण प्रकार	लागत	नया मूल्य अनुमानित धनराशि	वर्ष २००६-०७ में अनुमानित धनराशि
१	राजस्थान एलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के अन्तर्गत ग्रामीण बिजली के मर्मत निर्माण ।	विद्युत संशोधन विकास एवं निर्माण निगम द्वारा संचालित	२५.७५	१०.००	१५.७५
		योग	२५.७५	१०.००	१५.७५

(४० करोड़ लाख पचास हजार मात्र)

(अतः सिंह)
उप सचिव